लिंग आधारित विषयपरक शिक्षक अपेक्षा सम्बन्धी अध्ययन

डॉ0 ललित मोहन पाण्डे
सह–आचार्य एवं विभागाध्यक्ष बी0एड0
एल0बी0एस0 राजकीय महाविद्यालय
हल्दूचौड़ (नैनीताल), उत्तराखण्ड

सारांष

कक्षा–कक्ष में षिक्षण के दौरान षिक्षक, छात्र–छात्राओं की अनेक विषेषताओं के आधार पर विभिन्न विषयों में उनकी उपलब्धि के बारे में अपेक्षा का निर्धारण करते हैं। लिंग के आधार पर भी कतिपय विषयों के प्रति छात्र एवं छात्राओं से भिन्न–भिन्न अपेक्षा रखने सम्बन्धी अनेक अध्ययन पूर्व में हुए हैं। प्रस्तुत अध्ययन में गृह विज्ञान विषय के प्रति षिक्षक अपेक्षा का पता लगाने के लिए माध्यमिक स्तर के 373 षिक्षकों पर किए गये एक सर्वे के माध्यम से आंकड़े एकत्र किये गये। अनुमानात्मक सांख्यिकी काई वर्ग मान का प्रयोग करते हुए छात्र–सकारात्मक, छात्रा–सकारात्मक एवं उदासीन अपेक्षा रखने वाले षिक्षकों के मध्य 0.05 सार्थकता स्तर पर सार्थक अन्तर पाया गया। महिला षिक्षकों द्वारा पुरूष षिक्षकों की तुलना में अधिक छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखी गयी, अर्थात् गृह–विज्ञान विषय के प्रति षिक्षकों द्वारा छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखी जाती है, एवं यह अपेक्षा कुछ सीमा तक षिक्षक लिंग आदि षिक्षक विषेषताओं से भी प्रभावित होती है।

मुख्य शब्द – षिक्षक अपेक्षा, लिंग, विषयपरक, गृह विज्ञान।

प्रस्तावना–

सामाजिक व्यवहार को परिभाषित करते हुए सर्वप्रथम मर्टोन (1948) ने स्व अभिपूरक भविष्य कथन प्रत्यय का विकास किया। जिसके अनुसार– ''एक प्राथमिक रूप से मिथ्या अपेक्षा, व्यक्तियों के सामाजिक व्यवहार के कारण स्वतः पूर्ति होने की प्रवृत्ति रखती है। अर्थात् पक्षपाती दृष्टिकोण के साथ किसी व्यक्ति के प्रति अन्य व्यक्ति द्वारा निर्मित प्राथमिक मिथ्या अपेक्षा के साथ किया गया व्यवहार, उस व्यक्ति में अपेक्षानुरूप परिवर्तन लाकर इच्छित अपेक्षाओं को पूर्ण करने की प्रवृत्ति रखता है। 'पिग्मेलियन इन द क्लासरूम' (1968) के प्रकाषन के पष्चात् यह बात समझ में आयी कि षिक्षक अवलोकन के आधार पर हुयी अनुमान की त्रुटि के कारण ऋणात्मक अपेक्षा रखने से विद्यार्थी के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार हो सकता है।

षिक्षा सत्र के प्रारम्भ में जब षिक्षक कक्षा–कक्ष में नये विद्यार्थियों के सम्मुख अध्यापन कार्य हेतु उपस्थित होते हैं, आम तौर पर तब षिक्षक व विद्यार्थी एक दूसरे से अनभिज्ञ होते हैं। षिक्षक उस समय विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलताओं व अपेक्षाओं के बारे में न जानने के कारण उनके भविष्य की सफलता के प्रति अपेक्षा निर्माण की स्थिति में नहीं होता, और तभी वह उनके किसी गुण के आधार पर उनकी भविष्य की सफलता के लिए अपेक्षा निर्माण कर लेता है। अनेक शोधों से यह साबित हो चुका है कि लिंग, नस्ल, जाति, बुद्धि, पूर्व उपलब्धि, शारीरिक आकर्षण, सामाजिक स्तर आदि विषेषताओं का षिक्षक अपेक्षा निर्माण पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

लिंग द्वारा विषयी की भौतिक संरचना का निर्धारण होता है तथा इसका उपयोग पुरूष एवं महिला के बीच विभिन्नता हेतु किया जाता है। लिंग चर को केन्द्र में रखकर अनेक अध्ययन किये जा चुके हैं परन्तु अभी तक अनुसन्धानकर्ताओं ने अपना सम्पूर्ण ध्यान सामान्य शैक्षिक अपेक्षाओं पर ही केन्द्रित रखा है। लिंग के आधार पर व्यवसायिक पसन्द और शैक्षिक विषय चयन सम्बन्धी कुछ अध्ययन अवष्य हुये हैं लेकिन व्यापक रूप से लिंग सम्बन्धी विषयपरक षिक्षक अपेक्षाओं का पता लगाने का

प्रयास नहीं किया गया। जबकि यह प्रतीत होता है कि लिंग आधारित षैक्षिक अपेक्षाऐं न केवल सामान्य शैक्षिक उपलब्धि से सम्बन्धित होती हैं अपितु विषय क्षेत्र विषिष्ट भी हो सकती हैं। जैसे लिंग पर आधारित विभिन्न विषय क्षेत्रों में अपेक्षा भिन्न–भिन्न लिंग हेतु भिन्न हो सकती है। उदाहराणार्थ– षिक्षक, छात्रों से गणित विषय के प्रति, छात्राओं की तुलना में सकारात्मक अपेक्षा रख सकता है, जबकि वही षिक्षक छात्राओं से संस्कृत विषय में छात्रों की तुलना में सकारात्मक अपेक्षा रख सकता है।

समस्या कथन– हाईस्कूल स्तर के षिक्षकों के मध्य गृह विज्ञान विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक षिक्षक अपेक्षा का अध्ययन।

अध्ययन की सीमायें– षिक्षकों का चयन अल्मोड़ा जनपद के हाईस्कूल स्तर पर पढ़ाने वाले षिक्षकों में से किया गया। षिक्षक अपेक्षा का अध्ययन केवल लिंग विभेद (विद्यार्थी विषेषता) तक सीमित रखा गया।

अध्ययन की आवष्यकता एवं महत्व– यदि विषय को षिक्षकों द्वारा लिंग से जोड़कर देखा जा रहा है तो वह षिक्षा के उद्देष्यों के अतिरिक्त समानता, न्याय आदि सिद्धान्तों के विपरीत होगा। षिक्षकों के दृष्टिकोण में परिवर्तन लाया जा सकेगा। सरकार का ध्यान आकृष्ट करने में सहायक होगा। नीति निर्धारण में सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

न्यादर्ष– प्रस्तुत अध्ययन हेतु 50 माध्यमिक विद्यालयों से कुल 373 षिक्षकों को लिया गया।

न्यादर्ष चयन विधि– विद्यालयों का चयन जनपद के समस्त विद्यालयों में से मादृच्छिक विधि से किया गया। सर्वेक्षण हेतु षिक्षकों का चयन, चयनित विद्यालयों के षिक्षकों की उपलब्धता के आधार पर किया गया।

उपकरण– प्रस्तुत शोध कार्य हेतु शोधार्थी द्वारा अध्ययन की प्रकृति के अनुरूप व्यक्गित सूचना प्रपत्र एवं टी0ई0बी0क्यू0 का निर्माण किया गया।

प्रदत्त संकलन– षिक्षकों से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्रष्नावली भरवायी गयी।

सांख्यिकीय विधियों का चयन– प्रदत्तों के संकलन व अंकीकरण के उपरान्त आवृत्ति वितरण, प्रतिषत विष्लेषण तथा अनुमानात्मक सांख्यिकी के अन्तर्गत काई वर्ग मान ($\propto^2 Test$) का प्रयोग आवष्यकतानुसार किया गया।

सारणी–1

गृह विज्ञान विषय के प्रति छात्र सकारात्मकता, छात्रा सकारात्मकता एवं उदासीन षिक्षकों की आवृत्तियों के मध्य तुलना

षिक्षक अपेक्षा वर्ग	षिक्षक संख्या	डी0एफ0	काई वर्ग मान	सार्थकता (.05 स्तर)
छात्र सकारात्मक छात्रा सकारात्मक उदासीन	1 (0.27) 32 (85.79) 52 (13.94)	2	472.34	सार्थक है

*कोष्ठक में दी गई संख्याऐं प्रतिषत आवृत्तियाँ हैं।

सारणी–1 से स्पष्ट है कि गृह विज्ञान विषय के प्रति छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक तथा उदासीन अपेक्षा रखने वाले षिक्षकों की आवृत्तियों के मध्य काई वर्ग मान के आधार पर 005 सार्थकता स्तर पर अन्तर सार्थक है। छात्र सकारात्मक, छात्रा सकारात्मक तथा उदासीन षिक्षक अपेक्षा वाले षिक्षकों की आवृत्तियाँ क्रमषः 0.27, 85.79 एवं 13.94 प्रतिषत है जो कि समान सम्भावना वितरण से भिन्न हैं। अधिकांष षिक्षक गृह विज्ञान में छात्राओं की सफलता की अपेक्षा रखते हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि शिक्षक गृह विज्ञान विषय को एक महिला विषय के रूप में स्वीकारते हैं। अनेक राज्यों में सरकार ने भी इसे केवल लड़कियों के लिए विकल्प विषय के रूप में उपलब्ध करवाया है।

जिस कारण इस विषय में लड़कों का प्रदर्षन भी अच्छा हो सकता है इसकी कल्पना भी षिक्षकों द्वारा नहीं की गयी।

सारणी–2

षिक्षक लिंग के आधार पर गृह विज्ञान विषय के प्रति विद्यार्थी लिंग सम्बन्धी विषयपरक षिक्षक अपेक्षाओं के मध्य तुलना

षिक्षक लिंग	षिक्षक अपेक्षा			डी0एफ0	काई वर्ग मान	सार्थकता (0.05 स्तर)
	छात्र सकारात्मक	छात्रा सकारात्मक	उदासीन			
पुरूष	1 (0.3)	266 (83.6)	51 (16.0)	2	8.13	सार्थक
महिला	0 (0.0)	54 (98.2)	1 (1.8)			

*कोष्ठक में दी गयी संख्याऐं प्रतिषत आवृत्तियाँ हैं।

गृह विज्ञान विषय के प्रति पुरूष षिक्षकों का 83.6 % छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं, जबकि 98.2% महिला षिक्षक छात्राओं के प्रति अपेक्षा पक्षपात रखती हैं। पुरूष षिक्षकों का 16.0% व महिला षिक्षकों का केवल 1.8% ही गृह विज्ञान विषय के प्रति उदासीन अपेक्षा रखते हैं।

सारणी–3

स्नातक स्तर पर विषय क्षेत्र के आधार पर गृह विज्ञान विषय के प्रति लिंग सम्बन्धी षिक्षक अपेक्षाओं की तुलना–

षिक्षक विषेषता (विषय क्षेत्र)	षिक्षक अपेक्षा			डी0एफ0	काई वर्ग मान	सार्थकता (0.05 स्तर)
	छात्र सकारात्मक	छात्रा सकारात्मक	उदासीन			
कला	1 (0.4)	194 (84.0)	36 (15.6)	2	1.48	सार्थक नहीं
विज्ञान	0 (0.0)	117 (88.0)	16 (12.0)			

*कोष्ठक में दी गयी संख्याऐं प्रतिषत आवृत्तियाँ हैं।

सारणी–3 से स्पष्ट है कि स्नातक स्तर पर कला एवं विज्ञान वर्ग से सम्बन्धित षिक्षकों के मध्य व्याप्त लिंग आधारित विषयपरक षिक्षक अपेक्षाओं की तुलना से प्राप्त काई वर्ग मान से यह स्पष्ट होता है कि गृह विज्ञान विषय में इन दोनों वर्गों के षिक्षकों की अपेक्षाओं के मध्य कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारणी–4

मुख्य अध्यापन विषय के आधार पर गृह विज्ञान विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक षिक्षक अपेक्षाओं की तुलना–

मुख्य षिक्षण विषय समूह	षिक्षक अपेक्षा			डी0एफ0	काई वर्ग मान	सार्थकता (0.05 स्तर)
	छात्र सकारात्मक	छात्रा सकारात्मक	उदासीन			
गणित	0 (0.0)	46 (83.6)	9 (16.4)	6	3.74	सार्थक नहीं
विज्ञान	0 (0.0)	71 (89.9)	8 (10.1)			
मानविकी	1 (0.9)	94 (83.9)	17 (15.2)			
भाषा	0 (0.0)	109 (85.8)	18 (14.2)			

*कोष्ठक में दी गयी संख्याऐं प्रतिषत आवृत्तियाँ हैं।

निष्कर्ष– उपरोक्त अध्ययन से प्राप्त आंकड़ों के विष्लेषण से पता चलता है कि – 1. गृह विज्ञान विषय के प्रति अधिकांष षिक्षक, छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं। 2. महिला षिक्षक गृह विज्ञान विषय में पुरूष षिक्षकों की तुलना में छात्राओं से अधिक उच्च अपेक्षा प्रदर्षित करते हैं। 3. स्नातक स्तर पर कला व विज्ञान षिक्षकों की अपेक्षाओं में अन्तर सार्थक नहीं पाया गया। 4. गणित, विज्ञान, मानविकी व भाषा षिक्षकों के गृह विज्ञान विषय के प्रति लिंग आधारित विषयपरक षिक्षक अपेक्षाओं में सार्थक अन्तर नहीं है।

अतः निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि गृह विज्ञान विषय के प्रति षिक्षक, छात्रा सकारात्मक अपेक्षा रखते हैं। इस छात्रा सकारात्मक अपेक्षा को षिक्षक विषेषताऐं, षिक्षक लिंग आदि कुछ सीमा तक प्रभावित करती हैं।

सन्दर्भ ग्रन्थ

Adams, G.R. and J.C. Lavoie (1974), The effect of student's sex, conduct and facial attractiveness on Teacher Expectancy, Education, 95, 76-83

Aneshensel, C.S. and B.C. Rosen (1980), Domestic Rules and Sex Differences in occupational Expectation, Journal of Marriage and the family, 42 (1), 121-131

Antill, J.K. (1987), Parents' Beliefs and Values About Sex Roles, Sex Differences and Sexuality: Their Sources and Implications Review of Personality and Social Psychology 7, 294-328

Araprono, P.K. (1983), Educational and Occupational Aspirations of Senior Secondary Boys and Girls in Kerichodistrid, Kenya, dissertation Abstract International, 43, 07, 2303-A

Asbury, D.F. (1971), The Effects of Teacher Expectancy, Subject Expectancy and Subject sex on the Learning Performance of Elementary School Children, Dissertation Abstract International, 31 (9), 4537 -A

Bandini, A. and R. Rosenthal (1989), Visual Cues, student sex, Material Taught and the Magnitude of Teacher Expectancy Effects. Communication Education, 38(2), 162-166.

Benz, C, Pfeiffer, I, and Newman, I. (1981), Sex Role Expectations of Classroom Teacher grade 1 to 12. American Educational Research Journal, 18, 289-302.

Chen, Huabin. (1995), Parents' Attitudes Toward Science Education and Expectations for their High School Children's Performance in Science. Comparisons Among American, Chinese American and Chinese Families. Dissertation Abstract International, 55 (9-10), 3149-A

Dhoundiyal, N.C. and Dhoundiyal V.R. (1983), Teacher Expectancy Cycle. Ashish Publication House, New Delhi.

Dhoundiyal, N.C. (1998), Expectancy Biases: Causes, Consequences and Remedy, The Associated Publishers Ambala Cantt.

Page, S. and Rosenthal, R. (1990), Sex and Expectations of Teacher and Sex and Race of Students and Determinants of Teaching Behaviour and Student Performance Journal of School Psychology, 28(2), 119-131.

Marton, R. (1948), The Self-Fulfilling Prophecy Antioch Review, 8, 193-210

Rosenthal, R. and L. Jacobson (1968), "Pygmalian in the Classroom", Teacher Expectation and Pupils, Intellectual Development. Holt, Rinehart and Winston, New York.

https://www.researchgete.net

Sustainability of Teacher Expectation Bias Effects on Long-term Student Performance, Article in Journal of Educational Psychology 102(i): 168-179, February 2010.

https://www.ncbi.nlm.nih.gov.pmc

Exploring Bias in Math Teachers Perceptions of Students Ability by C. Riegle-Crumb 2012

https://www.tandfonline.com.full

Pygmalion and the gender gap: do teacher expectations contribute to …… by S. Geatrup 2018